

झारखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम
विषय : भाषा - 2 (जनजातीय भाषा) : संताली
(परीक्षा-प्रयुक्त लिपि : देवनागरी)

प्राथमिक स्तर (कक्षा - 1 से 5 हेतु)	
क्र.	पाठ्य - वस्तु
1	संताली भाषा का सामान्य परिचय, देवनागरी आधारित उत्तर-प्रस्तुति और सरल मौखिक परिचय।
2	ध्वनि, शब्द-पहचान, मूल शब्दावली, दैनिक भाषा-प्रयोग और सरल वाक्य।
3	संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया का परिचय लिंग, वचन, पुरुष की आधारभूत समझ।
4	श्रवण-बोलना, छोटे गद्य/गीत का पठन-बोध, चित्र-आधारित प्रश्नोत्तर।
5	शब्द, वाक्य और 2-3 पंक्तियों तक का सरल लेखन।
6	बाल-उपयुक्त लोकगीत, लोककथा, कहावत, पहेली और स्थानीय सांस्कृतिक सामग्री।
7	संताल समुदाय, पर्व-त्योहार और स्थानीय जीवन-संदर्भ का सरल परिचय।
8	संताली-हिंदी सरल शब्द-सेतु और स्थानीय संसाधनों पर आधारित भाषा-अधिगम।
9	नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में मातृभाषा-आधारित प्रारंभिक अधिगम - संताली भाषा में संवाद, गीत, कहानी और स्थानीय अनुभवों से सीखना।

उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा - 6 से 8 हेतु)	
क्र.	पाठ्य - वस्तु
1	संताली भाषा का उद्भव, विकास, भाषिक क्षेत्र, भाषा-समुदाय संबंध और भाषा-परिवार का सामान्य परिचय।
2	देवनागरी आधारित उत्तर-प्रस्तुति, वर्तनी-सावधानी और स्पष्ट अभिव्यक्ति।
3	व्याकरण का कार्यात्मक अध्ययन - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, पुरुष, कारक, काल, उपसर्ग, प्रत्यय और वाक्य-रचना।
4	पर्याय, विलोम, लोकोक्ति, मुहावरे, पहेलियाँ और व्यवहारिक शब्द-संपदा।
5	गद्य एवं पद्यांश का पठन-बोध, भावार्थ, सार, शीर्षक-बोध और प्रश्नोत्तर।
6	अनुच्छेद, पत्र, आवेदन, रिपोर्ट, संक्षेपण, सरल अनुवाद और वाक्कला।
7	लोकसाहित्य, लोकगीत, लोककथा, लोकसंस्कृति और सांस्कृतिक सामग्री का सामान्य अध्ययन।
8	संताली साहित्य के इतिहास की रूपरेखा तथा कविता, कहानी, नाटक, निबंध, उपन्यास आदि साहित्य-विधाओं का प्रतिनिधि परिचय।
9	सामान्य भाषा-विज्ञान, संताली भाषा-विज्ञान और तुलनात्मक भाषिक दृष्टि।
10	समुदाय, आदिवासी/भारतीय साहित्य संबंध, स्थानीय सामग्री का वर्ग संचालन के क्रम में उपयोग और बहुभाषिक कक्षा-प्रासंगिकता।
11	नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में मातृभाषा-आधारित प्रारंभिक अधिगम - संताली भाषा में संवाद, गीत, कहानी और स्थानीय अनुभवों से सीखना।

N.Rani
14.03.2026

Manulakshmi
14/03/26